महात्मा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया,
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)
[Mahatma Gandhi Govt. P. G. College Kharsia, Dist-Raigarh (C.G)]

COURSE OUTCOMES – B A (HINDI)

भाग – 1 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 1 (प्राचीन हिन्दी काव्य)

- संत कवि कबीर रचित 50 साखियाँ में निहित भावों, जो गुरुदेव के प्रति, स्मरण के प्रति, विरह के प्रति, प्रेम के प्रति एवं अन्य को समर्पित है, को समझना।
- जायसी विरचित पद्मावत के नागमति वियोग खण्ड का अध्ययन करते हुए राजा रत्नसेन के द्वारा राजकुमारी पद्मावती के प्रति प्रेमासक्त होकर चले जाने से उनकी पत्नी रानी नागमती के मन में उत्पन्न बारहमासा वियोग की पराकाष्ठा से पाठक को अवगत होना।
- सूरदास के भ्रमर गीत सार के 25 पदों का अर्थ समझना, जिसमें गोपियों के द्वारा उद्धव के प्रति उलाहना की गई है।
- गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरितमानस के अयोध्या काण्ड के 25 दोहे की सरस कथा से छात्रों को अवगत होना।
- घनानंद के प्रारम्भिक 25 छन्दों में निहित भावों को समझना।
- विद्यापति, रहीम और रसखान की संक्षिप्त जानकारी होना।

भाग – 1 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 2 (हिन्दी कथा साहित्य)

- उपन्यास सम्राट प्रेमचंद के 'गबन' उपन्यास, कफन कहानी एवं प्रमुख कहानीकारों की प्रतिनिधि कहानियों का अध्ययन करते हुए उसमें निहित भावों को समझना।

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी

भाग – 2 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 1 (अर्वाचीन हिन्दी काव्य)

- मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, माखनलाल चतुर्वेदी एवं अज्ञेय की प्रतिनिधि कविताओं का समग्र अध्ययन करते हुए हरिऔध, सुभद्राकुमारी चौहान और श्रीकांत वर्मा की कविताओं का संक्षिप्त ज्ञान होना।

भाग – 2 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 2 (हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र के प्रसिद्ध नाटक अंधेर नगरी का अध्ययन करते हुए उसमें निहित व्यंग्य को समझना।
- हिन्दी निबंधकारों के प्रमुख निबंधों एवं एकांकीकारों के प्रमुख एकांकियों का अध्ययन करते हुए राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा तथा हबीब तनवीर के रचना संसार से अवगत होना।

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी

(डॉ. पी.सी. घृतलहरे)
प्राचार्य
एम.जी. हीरा कला एवं विज्ञान महा. खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

भाग – 3 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 1 (जनपदीय भाषा साहित्य – छत्तीसगढ़ी)

- प्राचीन संत कवि धर्मदास के पदों में निहित भक्ति भाव से अवगत होना।
- निबंध एवं छत्तीसगढ़ी लोकोक्ति के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति से परिचित होना।
- छत्तीसगढ़ के किसान की सार्थक मेहनत के बारे में अवगत होना।
- छत्तीसगढ़ी गजल से परिचित होना एवं छत्तीसगढ़ के प्रमुख साहित्यकार से परिचित होना।

भाग – 3 हिन्दी, प्रश्नपत्र – 2 (हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन)

- हिन्दी की उत्पत्ति एवं विकास को जानना।
- हिन्दी के विविध रूपों के बारे में अवगत होना।
- हिन्दी के शब्द भंडार का ज्ञान मिलना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी प्राप्त होना।
- रस, छंद, अलंकार के नियमों को उदाहरण सहित समझना।

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी